सहायक सामग्री

1035. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में उपलब्ध कम्प्यूटरों, टेलेक्स तथा टेलिप्रिन्टरों आदि यांत्रिक सुविधाओं के संबंध में स्थिति क्या है और देश में इसकी यांत्रिक जानकारी को विकसित करने की प्रक्रिया क्या है तथा इस क्षेत्र में देश कहां तक आत्म निर्भर हो गया है;

(ख) उपर्युक्त वस्तुओं में से मदवार कितनी वस्तुओं का सरकार द्वारा अभी तक आयात किया गया है और किन-किन देशों से इनका आयात किया गया है तथा इनके स्वदेशीय उत्पादन संबंधी स्थिति क्या है;

(ग) क्या राजभाषा हिन्दी में भी इन उपकरणों का विकास किया गया है और क्या हिन्दी में इनका प्रयोग बढ़ता जा रहा है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) किन-किन देशों ने इन मशीनों को निःशुल्क भेजा है और प्रत्येक देश द्वारा भेजी गयी ऐसी मशीनों की मदवार संख्या कितनी है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मन्त्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अन्तरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन) : (क) इस समय देश में ही व्यापक श्रेणी के मिनी (लघु) कम्प्यूटरों माइक्रो (सूक्ष्म) कम्प्यूटरों का विनिर्माण किया जा रहा है, जिनमें वैयक्तिक कम्प्यूटर तथा शब्द संसाधन शामिल हैं, विशेषीकृत श्रेणी के अनुप्रयोगों के लिए,देश अभी भी आयात पर निर्भर है। सरकार प्रौद्योगिकी के आयात के लिए विदेशी सहयोग के साथ-साथ डिजाइन तथा ड्राइंगों के आयात के लिए तैयार की गई उदार नीति का अनुसरण कर रही है । इससे तथा स्वदेशी अनुसंधान तथा विकास के लिए किए गए प्रयासों से आत्म निर्भर होने में सहायता मिलेगी ।

अब यांत्रिकीय तथा इलेक्ट्रानिक दूर मुद्रकों का स्वदेश में ही विनिर्माण होने लगा है ।

(ख) इलेक्ट्रानिकी विभाग ने सरकारी विभागों को वर्ष 1984 में 67 कम्प्यूटरों तथा वर्ष 1985 में 84 कम्प्यूटरों का आयात करने की, अनुमति प्रदान की है। इन कम्प्यूटरों का आयात संयुक्त राज्य अमेरिका (अधिकांशतः) ग्रेट ब्रिटेन, जापान, फ्रांस तथा पश्चिम जर्मनी के देशों के जरिए किया गया।

वर्ष 1985 में फ्रांस से 2000 इलेक्ट्रानिक दूरमुद्रकों के आयात की अनुमति प्रदान की गई थी। अब इन दूरमुद्रकों का स्वदेश में ही विनिर्माण किया जा रहा है ।

(ग) जी हां, इंटरफेस के रूप में हिन्दी भाषा के साथ कम्प्यूटरों का विकास किया गया है तथा इन कम्प्यूटरों का प्रयोग शब्द-संसाधन और जनोपयोगी सेवाओं के लिए किया जा रहा है ।

द्विभाषी इलेक्ट्रानिक दूरमुद्रकों (रोमन तथा देवनागरी दोनों लिपियों में) का विकास किया गया है तथा वर्ष 1987 के दौरान इनका विनिर्माण होने की संभावना है ।

(घ) कुछ वैयक्तिक कम्प्यूटर वैयक्तिक आधार पर व्यक्तियों तथा संगठनों को दिए गए हैं, किन्तु ये कम्प्यूटर एक देश से दूसरे देश को नहीं दिए गए हैं, और ये सभी कम्प्यूटर निःशुल्क प्राप्त हुए हैं। ग्रेट ब्रिटेन ने वर्ष 1984 में भारत को शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए 900 कम्प्यूटर उपहार के रूप में प्रदान किए हैं ।

पाक सेना का जमाव

1036. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सीमा पर पाक सेना के जमाव तथा टैंकों की हलचल से चिंतित होकर सीमा के निकट